विद्या ददाति विनयम्

संजीव®

कविमाला वस्तुनिष्ठ

232 साहित्यकारों की वस्तुनिष्ठ वार्ता

हिन्दी साहित्य

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

हिंदी साहित्य के अतिमहत्त्वपूर्ण साहित्यकारों के वस्तुनिष्ठ प्रश्नों का अद्वितीय संग्रह

लेखक

कैलाश नागौरी

(व्हाट्सऐप- 9660669988)

संपादक

डॉ. दीपेश कुमार सैनी

सहयोग साभार

पुष्प सिंह चारण, प्रमोद चारण, शिंभुदयाल सैनी

संजीव प्रकाशन, जयपुर

- **प्रकाशक :**
  संजीव प्रकाशन
  धामाणी मार्केट, चौड़ा रास्ता,
  जयपुर-03
  website : www.sanjivprakashan.com

- © **किरण** (सरसा पब्लिकेशन)

- **संस्करण- अगस्त, 2023 (प्रथम)**
- **मूल्य : ₹ 400.00**
- **लेजर कम्पोजिंग :**
  संजीव प्रकाशन (D.T.P. Department), जयपुर
- **मुद्रक :** विकास बुक बाईंडर, जयपुर

❑ इस पुस्तक में त्रुटियों को दूर करने के लिए हर संभव प्रयास किया गया है। किसी भी त्रुटि के पाये जाने पर अथवा किसी भी तरह के सुझाव के लिए आप हमें निम्न पते पर email या पत्र भेजकर सूचित कर सकते हैं–
email : sanjeevcompetition@gmail.com
पता : प्रकाशन विभाग, संजीव प्रकाशन
धामाणी मार्केट, चौड़ा रास्ता, जयपुर
आपके द्वारा भेजे गये सुझावों से अगला संस्करण और बेहतर हो सकेगा।

❑ इस पुस्तक के किसी भी अंश का पुनरुत्पादन या किसी प्रणाली के सहारे पुनर्प्राप्ति का प्रयास अथवा किसी भी तकनीक या तरीके–इलेक्ट्रोनिक, मैकेनिकल, फोटोकॉपी, रिकॉर्डिंग या वेब माध्यम से प्रकाशक की अनुमति के बिना प्रकाशन या वितरण नहीं किया जा सकता है।

❑ हमने अपने प्रयास से इस पुस्तक के तथ्यों तथा विवरणों को उचित स्रोतों से प्राप्त किया है। इस पुस्तक में प्रकाशित किसी भी सूचना की सत्यता या त्रुटि के प्रति तथा इससे होने वाली किसी भी क्षति के लिए लेखक, प्रकाशक, संपादक तथा मुद्रक किसी भी रूप में जिम्मेदार नहीं हैं।

❑ सभी प्रकार के प्रतिवादों का न्यायिक क्षेत्र 'जयपुर' होगा।

अनुक्रमणिका

क्र.सं.	कवि	पृष्ठ संख्या	क्र.सं.	कवि	पृष्ठ संख्या
1.	सरहपा (769 ई.)	1	34.	केशव (1555-1617)	31
2.	गोरखनाथ (845 ई.)	2	35.	रहीमदास (1556-1626 ई.)	32
3.	स्वयंभू (783 ई.)	3	36.	नाभादास (1570-1660 ई.)	33
4.	पुष्पदंत (10 वीं सदी)	4	37.	मलूकदास (1574-1682 ई.)	33
5.	नरपति नाल्ह (1155 ई.)	4	38.	अग्रदास (1575 ई.)	34
6.	निम्बार्काचार्य (1114-1162 ई.)	5	39.	आलम (1583-1623 ई.)	34
7.	चन्दबरदाई (1168-1192 ई.)	6	40.	सेनापति (1589 ई.)	35
8.	जगनिक (1173 ई.)	7	41.	बिहारी (1595-1663 ई.)	35
9.	अमीर खुसरो (1254 ई.)	8	42.	सुंदरदास (1596-1689 ई.)	37
10.	विद्यापति (1352-1448)	8	43.	मतिराम (1603-1693 ई.)	38
11.	रामानन्द (1368-1468 ई.)	9	44.	चिंतामणि (1600-1685 ई.)	39
12.	रैदास (1388-1448 ई.)	10	45.	भूषण (1613-1717 ई.)	40
13.	कबीर (1398-1518 ई.)	10	46.	महाराजा जसवंतसिंह (1627-1729 ई.)	40
14.	कुंभनदास (1468-1583 ई.)	12	47.	कुलपति मिश्र (1642-1695 ई.)	40
15.	सूरदास (1478-1583 ई.)	12	48.	वृंद (1643-1723 ई.)	41
16.	वल्लभाचार्य (1479-1530 ई.)	14	49.	सुखदेव मिश्र (1663-1773 ई.)	42
17.	ईश्वरदास (1480-1560 ई.)	15	50.	देव (1673-1767 ई.)	43
18.	मुल्ला दाउद (1379 ई.)	15	51.	घनानंद (1689-1739)	44
19.	कुतबन (1503 ई.)	16	52.	रसलीन (1699-1750 ई.)	45
20.	जायसी (1464-1542 ई.)	16	53.	भिखारीदास (1725-1760 ई.)	45
21.	मंझन (1545 ई.)	18	54.	सोमनाथ (1725-1760 ई.)	46
22.	उस्मान (1613 ई.)	18	55.	तोष कवि (रचनाकाल 1734 ई.)	46
23.	नूर मुहम्मद (1744 ई.)	19	56.	कृपाराम खिड़िया (1743-1833 ई.)	47
24.	परमानंददास (1493-1572 ई.)	21	57.	दूलह कवि (1743-68)	47
25.	कृष्णदास (1496-1578 ई.)	22	58.	रसिक गोविंद (173-1833 ई.)	48
26.	मीरा (1498-1564 ई.)	22	59.	पद्माकर (1753-1833 ई.)	48
27.	स्वामी हितहरिवंश (1502-1614 ई.)	23	60.	खड़ी बोली गद्य के चार आधार स्तंभ	49
28.	गोविन्द स्वामी (1505-1585 ई.)	24	61.	ठाकुर (1766-1833 ई.)	51
29.	तुलसीदास (1532-1623 ई.)	24	62.	बोधा (1773-1803 ई.)	51
30.	नंददास (1533-1583 ई.)	28	63.	अमीरदास (1783-1868 ई.)	52
31.	कवि गंग (1538 ई.)	29	64.	ग्वाल कवि (1791-1868 ई.)	52
32.	दादु दयाल (1544-1603 ई.)	29	65.	बेनी प्रवीन (रचनाकाल 1817 ई.)	53
33.	रसखान (1548-1628 ई.)	30	66.	प्रताप साहि (रचनाकाल 1823-1843 ई.)	53

क्र.सं.	कवि	पृष्ठ संख्या	क्र.सं.	कवि	पृष्ठ संख्या
67.	सूर्यमल्ल मिश्रण (1815-1863 ई.)	54	102.	बाबू गुलाबराय (1888-1963 ई.)	84
68.	राजा शिवप्रसाद सितारेहिंद (1823-1895 ई.)	54	103.	रामनरेश त्रिपाठी (1889-1962 ई.)	84
69.	राजा लक्ष्मणसिंह (1826-1996 ई.)	55	104.	जयशंकर प्रसाद (1889-1937 ई.)	85
70.	बालकृष्ण भट्ट (1844-1914 ई.)	55	105.	माखनलाल चतुर्वेदी (1889-1968 ई.)	89
71.	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (1850-1885 ई.)	56	106.	वृंदावनलाल वर्मा (1889-1968 ई.)	90
72.	श्रीनिवास दास (1851-1887 ई.)	57	107.	विश्वम्भरनाथ शर्मा कौशिक (1891-1945 ई.)	90
73.	जार्ज ग्रियर्सन (1851-1887 ई.)	58	108.	आचार्य चतुरसेन शास्त्री (1891-1960 ई.)	91
74.	बद्रीनारायण चौधरी (1855-1923 ई.)	58	109.	राहुल सांकृत्यायन (1893-1961 ई.)	92
75.	प्रतापनारायण मिश्र (1856-1894 ई.)	59	110.	शिवपूजन सहाय (1893-1961 ई.)	93
76.	ठाकुर जगमोहन (1857-1898 ई.)	60	111.	सियारामशरण गुप्त (1895-1963 ई.)	93
77.	अम्बिकादत्त व्यास (1858-1900 ई.)	61	112.	सुदर्शन (1895-1967 ई.)	94
78.	राधाचरण गोस्वामी (1858-1925 ई.)	61	113.	वियोगी हरि (1895-1988 ई.)	95
79.	नाथुराम शर्मा शंकर (1859-1932 ई.)	62	114.	दुर्गाप्रसाद खत्री (1895 ई. रचनाकाल)	95
80.	श्रीधर पाठक (1859-1928 ई.)	62	115.	मुकुटधर पांडेय (1895-1989 ई.)	96
81.	देवकीनंदन खत्री (1861-1913 ई.)	63	116.	सेठ गोविन्द दास (1896-1974 ई.)	96
82.	श्रद्धानंद फिगौरी (1863 ई. रचनाकाल)	64	117.	निराला (1897-1961 ई.)	97
83.	महावीर प्रसाद द्विवेदी (1864-1938 ई.)	64	118.	बालकृष्ण शर्मा नवीन (1897-1961 ई.)	100
84.	हरिऔध (1865-1947 ई.)	65	119.	उदयशंकर भट्ट (1898-1966 ई.)	101
85.	राधाकृष्ण दास (1865-1907 ई.)	67	120.	रामवृक्ष बैनीपुरी (1899-1968 ई.)	102
86.	किशोरीदास गोस्वामी (1865-1931 ई.)	67	121.	भगवतीप्रसाद वाजपेयी (1899-1973 ई.)	103
87.	मिश्र बंधु (रचनाकाल 19वीं सदी)	68	122.	पांडेय बेचन शर्मा उग्र (1900-1967 ई.)	104
88.	बालमुकुंद गुप्त (1865-1907 ई.)	69	123.	सुमित्रानंदन पंत (1900-1977 ई.)	104
89.	जगन्नाथ दास रत्नाकर (1866-1932 ई.)	70	124.	यशपाल (1903-1976 ई.)	107
90.	गोपालराम गहमरी (1866-1946 ई.)	70	125.	भगवतीचरण वर्मा (1903-1981 ई.)	108
91.	राय देवीप्रसाद पूर्ण (1868-1917 ई.)	71	126.	इलाचंद्र जोशी (1903-1985 ई.)	110
92.	बाबू श्यामसुंदर दास (1875 ई.)	71	127.	लक्ष्मीनारायण मिश्र (1903-1987 ई.)	110
93.	वृंदावनलाल वर्मा (1879-1969 ई.)	72	128.	सुभद्रा कुमारी चौहान (1904-1948 ई.)	111
94.	प्रेमचंद (1880-1936 ई.)	73	129.	वासुदेवशरण अग्रवाल (1904-1966 ई.)	112
95.	सरदार पूर्णसिंह अध्यापक (1881-1931 ई.)	75	130.	रामकुमार वर्मा (1905-1990 ई.)	112
96.	चन्द्रधर शर्मा गुलेरी (1883-1922 ई.)	76	131.	जैनेन्द्र कुमार (1905-1990 ई.)	113
97.	गयाप्रसाद शुक्ल स्नेही (1883-1972 ई.)	77	132.	कन्हैयालाल मिश्र प्रभाकर (1906	115
98.	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल (1884-1941 ई.)	78	133.	नन्ददुलारे वाजपेयी (1906-1967 ई.)	115
99.	मैथिलीशरण गुप्त (1886-1964 ई.)	80	134.	सोहनलाल द्विवेदी (1906-1988 ई.)	116
100.	गोविन्द वल्लभ पंत (1887-1961 ई.)	82	135.	महादेवी वर्मा (1907-1987 ई.)	116
101.	लोचनप्रसाद पांडेय (1887-1959 ई.)	83	136.	श्यामनारायण पांडेय (1907-1991 ई.)	118

क्र.सं.	कवि	पृष्ठ संख्या	क्र.सं.	कवि	पृष्ठ संख्या
137.	हजारीप्रसाद द्विवेदी (1907–1979 ई.)	118	172.	मोहन राकेश (1925–1972 ई.)	158
138.	हरिवंशराय बच्चन (1907–2003 ई.)	120	173.	अमरकांत (1925–2014 ई.)	160
139.	केदारनाथ मिश्र प्रभात (1907–1984 ई.)	122	174.	कृष्णा सोबती (1925–2019 ई.)	161
140.	रामधारीसिंह दिनकर (1908–1974 ई.)	122	175.	श्रीलाल शुक्ल (1925–2011 ई.)	162
141.	हरिकृष्ण प्रेमी (1908–1974 ई.)	124	176.	विद्यानिवास मिश्र (1925–2005 ई.)	163
142.	उपेन्द्रनाथ अश्क (1910–1996 ई.)	125	177.	राही मासूम रजा (1925–1992 ई.)	163
143.	अज्ञेय (1911–1987 ई.)	126	178.	विजयदान देथा (1926–2013 ई.)	164
144.	नागार्जुन (1911–1998 ई.)	129	179.	धर्मवीर भारती (1926–1997 ई.)	164
145.	शमसेर बहादुर सिंह (1911–1993 ई.)	131	180.	नामवरसिंह (1926–2019 ई.)	166
146.	केदारनाथ अग्रवाल (1911–2000 ई.)	132	181.	महेन्द्र भटनागर (1926–2020 ई.)	166
147.	रामविलास शर्मा (1912–2000 ई.)	134	182.	कुँवर नारायण (1927–2017 ई.)	167
148.	विष्णु प्रभाकर (1912 ई.)	135	183.	लक्ष्मीनारायण लाल (1927–1983 ई.)	168
149.	नरेन्द्र शर्मा (1913–1989 ई.)	136	184.	सर्वेश्वरदयाल सक्सेना (1927–1983 ई.)	169
150.	भवानी प्रसाद मिश्र (1914–1977 ई.)	137	185.	शिवप्रसाद सिंह (1928–2008 ई.)	170
151.	रामेश्वर शुक्ल अंचल (1915–1995 ई.)	138	186.	रघुवीर सहाय (1929–1996 ई.)	171
152.	डॉ. नगेन्द्र (1915–1999 ई.)	139	187.	निर्मल वर्मा (1929–2005 ई.)	172
153.	भीष्म साहनी (1915–2003 ई.)	140	188.	राजेन्द्र यादव (1929–2013 ई.)	173
154.	अमृतलाल नागर (1916–1990 ई.)	141	189.	मार्कण्डेय (1930–2010 ई.)	174
155.	शिवमंगल सिंह सुमन (1916–2002 ई.)	143	190.	मन्नु भंडारी (1931 ई.)	175
156.	गजानन माधव मुक्तिबोध (1917–1964 ई.)	144	191.	श्रीकांत वर्मा (1931–1986 ई.)	176
157.	जगदीश चन्द्र माथुर (1917–1978 ई.)	145	192.	शैलेष मटियानी (1931–2001 ई.)	177
158.	प्रभाकर माचवे (1917–1991 ई.)	146	193.	उषा प्रियवन्दा (1931 ई.)	178
159.	त्रिलोचन (1917–2007 ई.)	146	194.	सुदामा पाण्डेय धुमिल (1931–1986 ई.)	178
160.	भैरवप्रसाद गुप्त (1918–1995 ई.)	148	195.	शरद जोशी (1931–1991 ई.)	179
161.	गिरिजाकुमार माथुर (1919 ई.)	149	196.	रामस्वरूप चतुर्वेदी (1931–2003 ई.)	180
162.	कन्हैयालाल सेठिया (1919–2008 ई.)	150	197.	कमलेश्वर (1932–2007 ई.)	180
163.	भारतभूषण अग्रवाल (1919–1975 ई.)	150	198.	शंकर शेष (1933–1981 ई.)	182
164.	डॉ. बच्चनसिंह (1919–2008 ई.)	151	199.	दुष्यंत कुमार (1933–1975 ई.)	182
165.	फणीश्वरनाथ रेणु (1921–1977 ई.)	151	200.	शैवाल सत्यार्थी (1933 ई.)	183
166.	अमृतराय (1921–996 ई.)	152	201.	मनोहरश्याम जोशी (1935–2006 ई.)	183
167.	नरेश मेहता (1922–2000 ई.)	153	202.	मुद्राराक्षस (1933–2016 ई.)	184
168.	रांगेय राघव (1923–1962 ई.)	154	203.	कुबेरनाथ राय (1933–1996 ई.)	184
169.	रामदरश मिश्र (1924 ई.)	155	204.	केदारनाथ सिंह (1934–2018 ई.)	185
170.	हरिशकंर परसाई (1924–1995 ई.)	157	205.	कृष्णा अग्निहोत्री (1934 ई.)	186
171.	विजयदेव नारायण साही (1924–1982 ई.)	157	206.	परमानंद श्रीवास्तव (1935–2013 ई.)	186

क्र.सं.	कवि	पृष्ठ संख्या
207.	गिरिराज किशोर (1936 ई.)	187
208.	चंद्रकांत देवताले (1936–2017 ई.)	188
209.	रमेशचंद्र शाह (1937 ई.)	188
210.	विनोद कुमार शुक्ल (1937 ई.)	189
211.	मृदुला गर्ग (1938 ई.)	190
212.	गोविन्द मिश्र (1939 ई.)	191
213.	ऋतुराज (1940 ई.)	191
214.	ममता कालिया (1940 ई.)	192
215.	लीलाधर जगूड़ी (1940 ई.)	193
216.	नरेन्द्र कोहली (1940 ई.)	194
217.	विश्वनाथप्रसाद तिवारी (1940 ई.)	195
218.	सुरेन्द्र वर्मा (1941 ई.)	195
219.	प्रभा खेतान (1942 ई.)	196
220.	मणि मधुकर (1942 ई.)	197
221.	सूर्यबाला (1943 ई.)	197
222.	चित्रा मुद्गल (1944 ई.)	198
223.	मैत्रेयी पुष्पा (1944 ई.)	199

क्र.सं.	कवि	पृष्ठ संख्या
224.	राजेश जोशी (1946–2017 ई.)	199
225.	असगर वजाहत (1946 ई.)	200
226.	स्वयं प्रकाश (1947 ई.)	200
227.	संजीव (1947 ई.)	201
228.	मंगलेश डबराल (1948 ई.)	202
229.	नासिरा शर्मा (1948 ई.)	202
230.	उदय प्रकाश (1952 ई.)	203
231.	अरुण कमल प्रयोगवादी (1954)	204
232.	अल्का सरावगी (1960 ई.)	204
233.	इतिहास लेखन की प्रमुख विधियाँ	205
234.	इतिहास लेखन की परम्परा	206
235.	आदिकाल	210
236.	भक्तिकाल	212
237.	रीतिकाल	214
238.	आधुनिक काल	217
239.	पुरस्कार एवं सम्मान	222
240.	पत्र-पत्रिकाएँ	225

साहित्यकारों की वस्तुनिष्ठ वार्ता

1. हिंदी के प्रथम कवि सरहपा

1. चौरासी सिद्धों में सर्वाधिक प्रसिद्ध व प्रथम संत है-
(अ) लुइपा (ब) शबरपा
(स) सरहपा (द) कण्हपा (स)

2. लोकप्रिय कृति दोहाकोश के रचनाकार हैं-
(अ) सरहपा (ब) लुइपा
(स) शबरपा (द) कण्हपा (अ)

3. सरहपा को किस आलोचक ने हिंदी का प्रथम कवि माना है?
(अ) आ. रामचन्द्र शुक्ल (ब) राहुल सांकृत्यायन
(स) नन्ददुलारे वाजपेयी (द) डॉ. बच्चनसिंह (ब)

4. सहरयार, राहुलभद्र, सरोजवज्र आदि नामों से किस सिद्ध संत को जाना जाता है?
(अ) लुइपा (ब) शबरपा
(स) सरहपा (द) कण्हपा (स)

5. सरहपा की कितनी रचनाएँ मानी जाती है?
(अ) 29 (ब) 30
(स) 31 (द) 32 (द)

6. काव्य रचना शैली में चौपाई के बाद दोहा रखने की शैली का सबसे पहले प्रयोग किसने किया?
(अ) सरहपा ने (ब) जायसी ने
(स) तुलसीदास ने (द) शबरपा ने (अ)

7. सिद्ध संतों में सबसे ऊँचा स्थान किस सिद्ध का माना जाता है?
(अ) लुइपा (ब) शबरपा
(स) सरहपा (द) कण्हपा (अ)

8. लुइपा किसके शिष्य थे?
(अ) डोडिंभा (ब) शबरपा
(स) सरहपा (द) कण्हपा (ब)

9. सिद्धों की साधनावस्था में निकली हुई वाणी क्या कहलाती है?
(अ) वज्रपद (ब) गुरुपद
(स) चर्यापद (द) साधनापद (स)

10. 'जन मन पवन न संचरई, रवि शशि नाहपवेश' पंक्ति के रचनाकार हैं-
(अ) लुइपा (ब) शबरपा
(स) सरहपा (द) कण्हपा (स)

11. सिद्धों की कुल संख्या मानी गई है-
(अ) छियासठ (ब) सत्तर
(स) अस्सी (द) चौरासी (द)

12. राहुल सांकृत्यायन के अनुसार सरहपा का रचनाकाल है-
(अ) 769 ई. (ब) 803 ई.
(स) 884 ई. (द) 903 ई. (अ)

13. 'पंडिअ सअल संत बसखाणणई, देहहि बुद्ध बसन्त जाणई।' पंक्ति के रचनाकार कौन हैं?
(अ) लुइपा (ब) शबरपा
(स) सरहपा (द) कण्हपा (स)

14. सहजयान के प्रवर्तक माने जाते हैं-
(अ) लुइपा (ब) शबरपा
(स) सरहपा (द) कण्हपा (स)

15. सरहपा की रचना 'दोहाकोश' का संपादन किस आलोचक ने किया?
(अ) आ. रामचन्द्र शुक्ल (ब) राहुल सांकृत्यायन
(स) नन्ददुलारे वाजपेयी (द) डॉ. बच्चनसिंह (ब)

16. सिद्धों की रचनाओं में अधिकतर किस रस की प्रधानता है?
(अ) श्रृंगार व शांत रस (ब) विभत्स व करुण रस
(स) वीर व रौद्र रस (द) वीर व शांत रस (अ)

17. किस इतिहासकार ने सबसे पहले सिद्ध साहित्य की खोज की?
(अ) राहुल सांकृत्यायन (ब) हरप्रसाद शास्त्री
(स) नन्ददुलारे वाजपेयी (द) डॉ. बच्चनसिंह (ब)

18. हरप्रसाद शास्त्री ने सिद्ध साहित्य की प्रतियाँ कहाँ से प्राप्त की?
(अ) अफगानिस्तान से (ब) नेपाल से
(स) आसाम से (द) उड़ीसा से (ब)

19. सिद्ध साहित्य की भाषा कहलाती है-
(अ) वाणी (ब) भाखा
(स) खरी (द) संध्याभाषा (द)

20. इनमें से कौनसी रचना शबरपा की है?
(अ) दोहाकोश (ब) अक्षरद्विकोपदेश
(स) श्रावकाचार (द) चर्यापद (द)

21. पुरानी हिंदी का पूर्ववर्ती रूप अपभ्रंश भाषा तीन रूप में प्रकट हो रही थी, इनमें से कौनसा सही नहीं है-
(अ) लौकिक अपभ्रंश (ब) डिंगल भाषा
(स) पिंगल भाषा (द) अवहट्ठ भाषा (स)

22. सिद्धों, जैनों व नाथों का साहित्य अपभ्रंश के किस रूप की भाषा में रचित है?
(अ) लौकिक अपभ्रंश (ब) डिंगल भाषा
(स) अवहट्ठ भाषा (द) कोई नहीं (अ)

23. सिद्ध सरहपा के शिष्य थे-
(अ) लुइपा (ब) शबरपा
(स) डोम्बिपा (द) कण्हपा (ब)

24. उलटबासी काव्य शैली किन संतों की थी?
(अ) नाथों की (ब) सिद्धों की
(स) जैनों की (द) सूफियों की (ब)

25. किस विद्वान ने कहा है कि भक्तिवाद पर इनका प्रभाव है। इनके साहित्य की सबसे बड़ी महत्त्वपूर्ण देन यह है कि आदिकाल की प्रामाणिक सामग्री प्राप्त हुई-
(अ) आ. रामचन्द्र शुक्ल (ब) राहुल सांकृत्यायन
(स) हजारीप्रसाद द्विवेदी (द) डॉ. बच्चानसिंह (स)

26. 'कौआ तरुवर पंच विडाल, चंचल चीए पइठा काल।' पंक्ति के रचनाकार हैं-

(अ) लुइपा (ब) शबरपा
(स) सरहपा (द) कण्हपा **(अ)**

27. 'हेरि ये मेरि तइला, वाडी खसमें समतुला।
पुकडए सेरे कपासु फुटिला।
उपर्युक्त पद के रचनाकार कौन हैं?

(अ) लुइपा (ब) शबरपा
(स) डोम्बिपा (द) कण्हपा **(ब)**

28. अनाचारी और वाममार्गी सिद्धों ने निर्वाण साधना एवं महासुख का वर्णन बड़ी ही अश्लील वाणी में किया है, अपनी इस महासुख अवस्था को सिद्धों ने क्या नाम दिया है?

(अ) ब्रह्म अवस्था (ब) समरस अवस्था
(स) सुखी अवस्था (द) मोक्ष अवस्था **(ब)**

29. सिद्ध साहित्य के योगदानों में कौनसा असंगत है?

(अ) पुरानी हिंदी और अपभ्रंश के बीच की कड़ी संध्या भाषा का प्रयोग सिद्धों ने किया है।
(ब) सिद्धों की मुक्तक शैली दूहा का संत काव्य में खूब प्रयोग हुआ है।
(स) सिद्ध साहित्य के रहस्यवाद एवं उलटबासी शैली का संत साहित्य को प्रभावित किया है।
(द) सिद्ध साहित्य की परिष्कृत ब्रजभाषा का रीतिकालीन साहित्य को खूब प्रभावित किया है। **(द)**

2. हठयोग के प्रवर्तक गोरखनाथ

1. राहुल सांकृत्यायन के अनुसार गोरखनाथ का रचनकाल है-

(अ) 769 ई. (ब) 803 ई.
(स) 845 ई. (द) 903 ई. **(स)**

2. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी के अनुसार गोरखनाथ किस सदी में हुए थे?

(अ) 9वीं सदी (ब) 11वीं सदी
(स) 13वीं सदी (द) 15वीं सदी **(अ)**

3. आ. रामचंद्र शुक्ल, डॉ. रामकुमार वर्मा व आधुनिक खोजों के अनुसार गोरखनाथ का रचनाकाल है-

(अ) 9वीं सदी (ब) 11वीं सदी
(स) 13वीं सदी (द) 15वीं सदी **(स)**

4. पीताम्बरदत्त बड़थवाल के अनुसार गोरखनाथ का रचनाकाल है-

(अ) 9वीं सदी (ब) 11वीं सदी
(स) 13वीं सदी (द) 15वीं सदी **(ब)**

5. गोरखनाथ के गुरु कौन थे?

(अ) चौरंगीनाथ (ब) चर्पटनाथ
(स) जालंधरनाथ (द) मछेन्द्रनाथ **(द)**

6. हठयोग के प्रवर्तक माने जाते हैं-

(अ) चौरंगीनाथ (ब) गोरखनाथ
(स) जालंधरनाथ (द) मछेन्द्रनाथ **(ब)**

7. गोरखनाथ के गुरु मच्छेन्द्रनाथ अथवा मत्स्येन्द्रनाथ का वास्तविक नाम क्या था-

(अ) रवि शर्मा (ब) हरिषेण शर्मा
(स) विष्णु शर्मा (द) रघु शर्मा **(स)**

8. किस विद्वान के अनुसार गोरखनाथ कांगड़ा के निवासी थे-

(अ) आ. रामचन्द्र शुक्ल (ब) राहुल सांकृत्यायन
(स) नन्ददुलारे वाजपेयी (द) डॉ. बच्चनसिंह **(द)**

9. गोरखनाथ द्वारा रचित कितनी रचनाएँ मानी जाती है-

(अ) बत्तीस (ब) छत्तीस
(स) चालीस (द) बयालीस **(स)**

ध्यान रहे- डॉ. पीताम्बरदत्त बड़थवाल ने इनके द्वारा रचित कुल चौदह रचनाएँ ही मानी है।

10. गोरखवाणी का संपादन किसने किया-

(अ) हजारीप्रसाद द्विवेदी (ब) राहुल सांकृत्यायन
(स) पीताम्बरदत्त बड़थवाल (द) डॉ. नगेन्द्र **(स)**

11. 'नाथ सिद्धों की बाणियाँ' का संपादन किसने किया था-

(अ) हजारीप्रसाद द्विवेदी (ब) राहुल सांकृत्यायन
(स) पीताम्बरदत्त बड़थवाल (द) डॉ. नगेन्द्र **(अ)**

12. किस आलोचक ने कहा था कि शंकराचार्य के बाद इतना प्रभावशाली और इतना महिमामंडित भारतवर्ष में कोई दूसरा नहीं हुआ, गोरखनाथ अपने युग के सबसे बड़े नेता थे-

(अ) हजारीप्रसाद द्विवेदी (ब) राहुल सांकृत्यायन
(स) पीताम्बरदत्त बड़थवाल (द) डॉ. नगेन्द्र **(अ)**

13. किस विद्वान ने नाथ संप्रदाय को नवीन नाम अवधूत संप्रदाय दिया था-

(अ) हजारीप्रसाद द्विवेदी (ब) राहुल सांकृत्यायन
(स) पीताम्बरदत्त बड़थवाल (द) डॉ. नगेन्द्र **(अ)**

14. 'नौ लख पातरि आगे नाचे, पीछे सहज अखाड़ा' पंक्ति के रचनाकार कौन हैं-

(अ) चौरंगीनाथ (ब) गोरखनाथ
(स) जालंधरनाथ (द) मछेन्द्रनाथ **(ब)**

15. नाथों की कुल संख्या मानी गई है-

(अ) चौरासी (ब) नौ
(स) सोलह (द) इक्यावन **(ब)**

16. गोरखनाथ के हठयोग में 'ह' का क्या अर्थ है-

(अ) चन्द्रमा (ब) आकाश
(स) सूर्य (द) सितारा **(स)**

17. गोरखनाथ के हठयोग में 'ठ' का क्या अर्थ है-

(अ) चन्द्रमा (ब) आकाश
(स) सूर्य (द) सितारा **(अ)**

18. पंजाब में जो लोक कथाओं में पूरन भगत की चर्चा होती रही है, हजारीप्रसाद द्विवेदी के अनुसार वह कौन है-

(अ) चौरंगीनाथ (ब) गोरखनाथ
(स) जालंधरनाथ (द) मछेन्द्रनाथ **(अ)**

19. गोरखनाथ की प्रमुख रचना है-

(अ) नरवैबोध (ब) गोरखसार
(स) रसराह (द) सबदी **(द)**